एक नजर में

पिछड़ा वर्ग विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति योजना हेतु 19 नवम्बर तक करें आवेदन

खण्डवा। पिछड़ा वर्ग विदेश अध्ययन छात्रवृत्तिफ योजना के अन्तर्गत वर्ष 2025-26 के लिए रिक्त 17 सीटों के लिए योजना नियम व प्रावधानों के तहत पात्र अभ्यर्थियों के चयन के लिए संशोधित विज्ञप्ति जारी की गई है। ऑनलाईन आवेदनों की अंतिम तिथि 19 नवम्बर निर्धारित है। पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के सहायक संचालक ने बताया कि पिछड़ा वर्ग विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति योजना के अन्तर्गत आवेदन के लिए अभ्यर्थी मध्यप्रदेश स्टेट स्कॉलरशिप पोर्टल 2.0 पर URL-https://hescholarship.mp.gov.in के माध्यम से संशोधित विज्ञप्ति प्रकाशन दिनांक से 19 नवम्बर तक ऑनलाईन आवेदन कर सकते हैं। अधिक जानकारी एवं शर्तों के लिए दैनिक समाचार पत्रों में प्रकाशित विज्ञप्ति तथा विभाग की वेबसाईट www.bcwelfare.mp.gov.in से सम्पर्क कर सकते हैं।

मोबाइल व विद्युत रिपेयरिंग का प्रशिक्षण दिया जाएगा

खंडवा। स्टार ग्रामीण प्रशिक्षण संस्थान खंडवा में जिले के 18 से 50 वर्ष तक आयु वर्ग के ग्रामीण बेरोजगारों के लिये दिसम्बर में मोबाइल रिपेयरिंग एंड सर्विसेस, इलैक्ट्रिक मोटर रिवाईडिंग, घरेलू विद्युत उपकरण सेवा एवं हाउस वाइरिंग का 30 दिवसीय नि:शुल्क प्रशिक्षण दिया जाना प्रस्तावित है। इस प्रशिक्षण के लिए जिले के नागरिकों से आवेदन आमंत्रित किये गए हैं। इच्छुक अभ्यर्थी अपना आवेदन पत्र आवश्यक दस्तावेजो के साथ दिनांक 1 दिसम्बर 2025 तक सांई मंदिर हरसूद नाके के पास स्थित स्टार ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान खंडवा में जमा करा सकते हैं। आवेदन के साथ आवेदक को अपना आधारकार्ड, पासपोर्ट साईज के 4 फोटो, मार्कशीट जिसमें जन्मतिथि अंकित हो, अंतिम परीक्षा पास करने की मार्कशीट, वोटर आईडी कार्ड, बैंक पासबुक की फोटोकॉपी, राशन कार्ड या जॉब कार्ड की छायाप्रति संलग्न करना होगी।

ग्राम आंवलिया में कुष्ठ रोगियों का इलाज उनके घर पर ही किया

खण्डवा। गुरुवार को विकासखण्ड छैगांवमाखन के ग्राम आंवलिया स्थित कुष्ठ कॉलोनी में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर कुष्ठ रोगियों के घावों की मरहम पट्टी कर उपचार किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर ओ.पी. जुगतावत ने बताया कि यह शिविर कुष्ठ मरीजों को उनके निवास पर ही नि:शुल्क चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने के अभियान के तहत गुलशन कुमार फाउंडेशन ट्रस्ट एवं राष्ट्रीय सेवा भारती के सहयोग से समर्पण संस्था नई दिल्ली द्वारा आयोजित किया गया। कुष्ठ रोगियों के घावों की मरहम पट्टी के साथ साथ उनकी ब्लड प्रेशर, डायबिटीज और खून की जांचें भी की गई। इस दौरान जिला कुष्ठ अधिकारी डॉ. पर्व तिवारी, डॉ. देव उत्कर्ष, डॉ. संतोष रानी व स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सेवाएं प्रदान की।

बाल सम्प्रेक्षण गृह में बाल दिवस मनाया

खण्डवा। बाल सम्प्रेक्षण गृह खण्डवा में शुक्रवार को बाल दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अपर कलेक्टर सृष्टि देशमुख गौड़ा ने अपचारी बच्चों से संवाद किया। उन्होंने बच्चों को शिक्षा के महत्व के बारे में बताया और कहा कि हर हाल में पढ़ाई जारी रखें। उन्होंने कहा कि सीखने की आदत न छोड़ें। कार्यक्रम में किशोर न्याय बोर्ड की प्रधान न्यायाधीश ज्योति सिंह टेकाम ने उपस्थित बच्चों से कहा कि अपना भविष्य सुधारने के लिए अच्छी आदतें सीखें तथा पढ़ाई लिखाई पर ध्यान दें। इस अवसर पर बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। कार्यक्रम में बच्चों द्वारा तैयार आर्ट एंड क्राफ्ट सामग्री और फर्निचर प्रदर्शित किया गया, जिसकी अतिथियों ने सराहना की। कार्यक्रम में किशोर न्याय बोर्ड के सदस्य पन्नालाल गुप्ता व कल्पना जायसवाल के साथ साथ सहायक संचालक महिला बाल विकास अजय गुप्ता भी मौजूद थे।

विश्व मधुमेह दिवस पर जिला अस्पताल में स्वास्थ्य शिविर

खण्डवा। विश्व मधुमेह दिवस पर श्री दादाजी धूनीवाले जिला चिकित्सालय में मधुमेह रोग से बचाव के लिए जन जागरूकता कार्यक्रम एवं विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सिविल सर्जन डॉ. अनिरुद्ध कौशल ने बताया कि मधुमेह दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य लोगों में इस बीमारी के प्रति जन जागरूकता लाना है, क्योंकि दुनिया में लाखों लोग मधुमेह नामक बीमारी से ग्रसित हैं। उन्होंने बताया कि मधुमेह को अगर हम इलाज द्वारा नियंत्रित ना करें तो इसका असर हमारे शरीर के अन्य भागों में जैसे किडनी, गुर्दा, फेफड़े, हृदय और ब्लड प्रेशर पर पड़ता है। कार्यक्रम में मेडिकल कॉलेज के सुपरिटेंडेंट डॉ. रंजीत बडोले, सहायक सुपरिटेंडेंट डॉ. बाजोलिया एवं मेडिसिन विभाग के सह प्राध्यापक डॉ. पंकज जैन, डॉ. मोहित गर्ग, डॉ. पूर्वा परिहार एवं एन.सी.डी. नोडल अधिकारी डॉ. विशाल श्रीवास्तव भी उपस्थित थे। डॉ. पंकज जैन ने मधुमेह के लक्षणों के बारे में बताते हुए कहा कि बार-बार प्यास लगना, भूख बढ़ना, अचानक वजन का बढ़ना या घटना, थकान और कमजोरी, घाव का जल्दी ठीक ना होना, आंखों की दृष्टि कम होना, हाथ पैर में झुनझुनी या सुन्नपन, पैरों या घुटने में दर्द जैसे लक्षण हों तो तुरंत चिकित्सक की सलाह लें। शिविर में कुल 181 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया, जिसमें से 68 लोगों में मधुमेह की बीमारी पाई गई। उन्हें आवश्यक समझाइश और नि:शुल्क दवाइयां दी गईं।

सरकार खरीदे 24 रूपए किलो प्याज, रेल रोकने के लिए ट्रैक के पास हजारों किसान पहुंचे

नवभारत न्यूज

खंडवा। प्याज,मक्का और सोयाबीन के उचित दाम न मिलने के कारण किसान आक्रामक हो गए हैं। अब रेल रोकने की तैयारी में हैं। हजारों किसान एकत्र भी हो चुके हैं। यहा पर सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल ने राज्य के कृषि मंत्री से बात कराई। किसानों का कहना है कि वे प्याज का निर्यात खोलने की मांग कर रहे हैं। यह काम केंद्र सरकार का है। इसलिए केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से उनकी बात कराई जाए। ऐसी स्थिति में किसानों और सांसद के बीच तालमेल नहीं बैठा। और किसान रेलवे ट्रैक के पास चेतावनी स्वरूप बैठ गए थे।

हालाकि खंडवा में किसानों द्वारा रेल रोको प्रदर्शन दिन भर चला लेकिन किसान रेलवे ट्रैक तक नहीं पहुंच पाया। शाम 6 बजे सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल ने पहुंचकर लोगों को केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मिलाने का आश्वासन दिया।

किसानों का रेल रोको आंदोलन का ऐलान

हजारों किसान खंडवा-भुसावल रेलवे ट्रैक के टिगरिया इलाके में एकत्र हुए। किसान रेलवे ट्रैक से महज 500 मीटर की दूरी पर जमा हुए और उन्होंने कहा कि यदि उनकी मांगें पूरी नहीं की गईं, तो वे रेल रोको आंदोलन करेंगे।

केंद्र स्तर की मांगे,एमपी के मंत्री क्या करेंगे?

किसानों ने स्पष्ट किया कि उनकी मांगें केंद्र सरकार स्तर की हैं और जब तक उनकी बात केंद्रीय कृषि मंत्री से नहीं होगी,तब तक वे आंदोलन खत्म नहीं करेंगे। सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल ने प्रदेश के कृषि मंत्री इंदल सिंह कंसाना से फोन पर बात कराई।

लेकिन किसान केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से बात करने पर अड़े रहे। सांसद ने कहा कि केंद्रीय कृषि मंत्री कार्यक्रम में व्यस्त हैं और अभी उनसे बात संभव नहीं है। इस पर किसानों ने सांसद को दो घंटे का समय दिया और चेतावनी दी कि यदि केंद्रीय मंत्री से कोई आश्वासन नहीं मिला,तो वे पास की रेलवे लाइन जाम कर देंगे। किसानों के आंदोलन को देखते हुए गांव और रेलवे लाइन के आसपास बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया। पुलिस ने मौके पर बैरिकेडिंग लगाकर रास्ते बंद कर दिए थे।

सांसद बोले,सब ठीक हो जाएगा

सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल ने कहा कि किसानों की सभी मांगों को पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा, प्याज के उचित दाम, सोयाबीन के नुकसान का मुआवजा,मक्का का सही मूल्य और कपास की सीसीआई द्वारा खरीद हमारी सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री द्वारा सोयाबीन के अंतर की राशि करोड़ों रुपए के रूप में किसानों के खातों में डाल दी गई है। यह समस्या भी जल्द हल कर दी जाएगी।

सांसद को ज्ञापन सौंपा

सांसद को केंद्रीय कृषि मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया,जिसमें प्याज का निर्यात खोलने या महाराष्ट्र की तर्ज पर प्रति किलो 24 रुपए की दर से खरीदी करने,सोयाबीन की फसल का मुआवजा, मक्का के उचित दाम,और कपास को सीसीआई द्वारा खरीदने की मांग की गई।

जनजातीय गौरव दिवस पर पंधाना में जिला स्तरीय कार्यक्रम

नवभारत न्यूज

खंडवा। जनजातीय गौरव दिवस पर पंधाना के सांदीपनि विद्यालय परिसर में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल ने इस अवसर पर जनजातीय वर्ग के प्रतिष्ठित नागरिकों एवं विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धि हासिल करने वाले जनजातीय वर्ग के प्रतिनिधियों का शॉल एवं श्रीफल प्रदान कर सम्मान किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए सांसद ने कहा कि धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा ने अपने अदम्य साहस,संघर्ष और श्रेष्ठ कर्मों से जन-जन के हृदय में अमिट छाप छोड़ी है। उनके जीवन से युवाओं को निरंतर प्रेरणा मिलती है। उनके असाधारण व्यक्तित्व को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने मात्र 25 वर्ष की उम्र में देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देकर युवाओं को अद्वितीय संदेश दिया।

सांसद श्री पाटिल ने इस अवसर पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनजातीय समुदाय के गौरवशाली इतिहास से हम सभी को अवगत कराने के उद्देश्य से ''जनजातीय गौरव दिवस'' मनाने का निर्णय लिया है, और वर्ष 2021 से प्रतिवर्ष 15 नवंबर को यह दिवस मनाया जा रहा है।

विधायक श्रीमती मौरे ने इस अवसर पर कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने आदिवासी समाज को जल, जंगल और जमीन के अधिकार दिलाने के लिए अंग्रेजी हुकूमत के अत्याचारों के विरुद्ध सशक्त संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा में बचपन से ही अन्याय के विरुद्ध खड़े होने की चेतना जागृत हो चुकी थी।

इससे पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। इस अवसर पर राष्ट्रगीत ''वंदे मातरम'' का सामूहिक गायन भी हुआ। इस दौरान सांसद श्री पाटिल पंधाना शहर में आयोजित ''जनजातीय गौरव यात्रा'' रैली में भी शामिल हुए। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री के संबोधन का सीधा प्रसारण भी किया गया।

कार्यक्रम में पंधाना की विधायक छाया मोरे, कलेक्टर ऋषव गुप्ता, अपर कलेक्टर के. आर. बड़ोले, जिला पंचायत अध्यक्ष पिंकी सुदेश वानखेड़े, पंधाना की जनपद अध्यक्ष सुमित्रा काले, छैगांवमाखन के जनपद अध्यक्ष महेंद्र सावनेर, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष हरीश कोटवाले भी उपस्थित थे। इस अवसर पर स्कूली विद्यार्थियों ने रंगारंग सामूहिक आदिवासी लोक नृत्य प्रस्तुत किए।

ओंकारेश्वर में 3 दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का शुभारंभ

नवभारत न्यूज

खंडवा। संस्कृति विभाग, म.प्र. शासन की जनजातीय लोक कला एवं बोली विकास अकादमी द्वारा ओंकारेश्वर में तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसका शुभारंभ शनिवार को हुआ। जनजातीय बोली विकास अकादमी के निदेशक डॉ. धर्मेंद्र पारे ने अतिथियों का स्वागत कर संगोष्ठी की रुपरेखा व्यक्त की।

उद्घाटन सत्र में अध्येता एवं विचारक श्री आशुतोष ने अपने वक्तव्य में संगोष्ठी के विषय को रेखांकित कर वर्तमान वंशावली एवं विरुदावली परंपरा पर विस्तृत वक्तव्य दिया। उन्होंने कहा कि देश में वंशावली संधारण का कार्य करने में कमी आई है एवं जनजातीय लोक कला एवं बोली विकास अकादमी, भोपाल इसे सहेजने का कार्य कर रही है जो अपने आप में एक विशिष्ट कार्य है। वंशावली पद्धति ने देश के सभी वंशों की जानकारी को सहेजा है।

इसके पश्चात अखिल भारतीय वंशावली संरक्षण एवं संवर्धन संस्थान के संरक्षक रामप्रसाद ने सभा में सभी शोध अध्येताओं को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान में वंशावली संधारण हमारे देश की भविष्य में दशा एवं दिशा तय करेगा। उन्होंने कहा कि भारत एकमात्र ऐसा देश है जिसमें व्यक्ति के गांव एवं पिता के नाम से उसकी पहचान की जाती है। भारत के अलावा अन्य सभ्यताएं अपनी वंशावली संधारित नहीं करने पर समाप्त हो गईं हैं। भारत का अस्तित्व इसी परंपरा के कारण सुदृढ़ हुआ है। उन्होंने एक प्रसंग के माध्यम से जागा समुदाय के महत्व को भी बताया। लोग जागा समुदाय के लोगों से जानकारी लेकर अपने पूर्वजों की सभी जानकारी प्राप्त करते हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे हिमाचल केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. कुलदीपचंद अग्निहोत्री ने विरुदावली और इतिहास में साहित्यिक अंतर स्पष्ट करते हुए अपने वक्तव्य की शुरुआत की। उन्होंने कहा ''विरुदावली'' कविता, महाकाव्य की श्रेणी में आती है। अंग्रेजों ने भारत आकर सबसे पहले भारतीय संस्थानों को नष्ट करने का कार्य किया। इसी के साथ विभिन्न सत्रों में डॉ. पूजा सक्सेना, डॉ. भुवनेश्वर दुबे, सुमनस्पति रेड्डी, डॉ. सत्य हर्ष, इंद्र नारायण ठाकुर, आशुतोष गुप्ता, स्वाति आनंद ने शोध पत्र प्रस्तुत किये।

इस अवसर पर राजस्थान एवं आंध्रप्रदेश के विद्वानों एवं कलाकारों ने वंशावली का गान किया।

गांव का पानी गांव में रोकने एवं भूमिगत जलस्तर बढ़ाने के तरीके बताए गए

नवभारत न्यूज

खंडवा। अमृत संचय अभियान के तहत कलेक्टर महोदय ऋषव गुप्ता एवं जिला पंचायत सीईओ नागार्जुन बी गौड़ा के मार्गदर्शन एवं जनपद पंचायत खंडवा की सीईओ निकिता मंडलोई के समन्वय से ग्राम जसवाड़ी में 10 ग्राम पंचायतो की जल समिति सदस्यों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इसमें अमृत संचय अभियान के जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर गणेश कानडे एवं नारायण फरकले द्वारा समिति सदस्यों को रेन वाटर हार्वेस्टिंग एवं अन्य तरीकों से भूमिगत जल स्तर बढ़ाने हेतु प्रशिक्षण दिया गया। गांव के सरकारी भवन जैसे पंचायत भवन,स्कूल भवन ,आंगनवाड़ी आदि एवं पक्के मकानों की छत का पानी जमीन में उतारने, फिल्टर लगाकर पाइप के माध्यम से छत के पानी से ट्यूब वेल का जल स्तर बढ़ाने। सूखे हैंडपंप या सूखे ट्यूबवेल में सोख पिट बनाकर वर्षाजल को जमीन में उतारने। नदी नालों पर बोरी बंधान बनाने, खेत में मेड बंधान बनाने,खेत तालाब बनाने निस्तार तालाब बनाने। हैंड पंप के आसपास सोखता गड्ढा या सोख पिट बनाने,सहित अन्य तरीके से गांव का पानी गांव में रोकने और भूजल स्तर बढ़ाने की जानकारी दी।

इस अवसर पर ग्राम पंचायत जसवाड़ी की सरपंच संगीता कुंवर ने अपने घर रेन वाटर हार्वेस्टिंग लगाने एवं वर्षाजल को रोककर गांव के भूमिगत जल स्तर बढ़ाने हेतु किए गए प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि गिरते भूमिगत जल स्तर को बढ़ाने की जिम्मेदारी हम सब की है। आने वाली पीढ़ी को भी जल उपलब्ध हो इसके लिए हमें अभी से अपने स्तर पर प्रयास शुरू करना चाहिए। शुरुआत अपने घर,गांव एवं खेतों से करना होगा। अन्य जल समिति सदस्यों ने भी अपने गांवों में किए गए वर्षाजल संग्रहण के कार्यों की विस्तार से जानकारी दी।

इस अवसर पर सेक्टर प्रभारी कृष्ण देव पटेल, सचिव दिनेश सराटे,रविन्द्र मोर्य,बद्री पटेल,महेश पटेल, सहित जल समिति सदस्य सचिव, सरपंच, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं अन्य ग्रामीण उपस्थित थे।

संत सिंगाजी ताप विद्युत परियोजना की सभी इकाइयाँ चालू, इकाई क्र .4 ने रचा कीर्तिमान

नवभारत न्यूज

खंडवा। श्री सिंगाजी ताप विद्युत परियोजना (SSTPP) की तीन इकाइयाँ माँग नहीं होने के कारण लगभग 15 दिनों से ज़्यादा समय से बंद थी। माँग बढ़ने पर पुन: इकाइयों को चालू कर दिया गया है जो कि पूर्ण क्षमता के साथ चल रही हैं ।

इस दौरान फेज-II की यूनिट नंबर 4 को कोल्ड स्टार्ट में न्यूनतम समय में सिंक्रोनाइजेशन कर नया रिकॉर्ड बनाया है। निर्धारित 68 घंटों के स्थान पर मात्र 54.30 घंटे में यूनिट के सफल सिंक्रोनाइजेशन से परियोजना की दक्षता और तकनीकी क्षमता का उत्कृष्ट प्रदर्शन हुआ है।

इस उपलब्धि से ईंधन तेल की महत्वपूर्ण बचत के साथ-साथ विद्युत उत्पादन का लाभ हुआ। जिससे कंपनी को लगभग तीन करोड़ रुपये की बचत हुई ।इस उल्लेखनीय प्रदर्शन पर कंपनी प्रबंधन ने टीम वर्क, बेहतर समन्वय और तकनीकी उत्कृष्टता की सराहना की है ।

इस उपलब्धि पर परियोजना के मुख्य अभियंता जेसी जुनवाल ने बताया कि ये उपलब्धि कंपनी के प्रबंध निदेशक माननीय मनजीत सिंह, सुबोध निगम (तकनीकी निदेशक),मिलिंद भांडक्कर (वाणिज्य निदेशक) एवं अभिषेक जैन (मुख्य अभियंता - संचा/ संधा: उत्पादन) जबलपुर के कुशल नेतृत्व और मार्गदर्शन तथा विद्युत गृह के अधिकारियों सुभाष गुप्ता (अति मुख्य अभियंता),आरएस अलावा (वरिष्ठ मुख्य रसायनज्ञ), अजय वर्मा, अधीक्षण अभियंता (ऑपरेशन) - दो, आर.के.पांडे अधीक्षण अभियंता (एम एम)- दो,आर के तिवारी, अधीक्षण अभियंता (ई टी आई)- दो, अन्य सभी संबंधित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं ठेका श्रमिकों के प्रयास से ही संभव हुआ है ।इस विशिष्ट उपलब्धि पर उन्होंने सभी को बधाई दी है एवं धन्यवाद प्रेषित किया है और आशा व्यक्त की है कि भविष्य में भी इसी तरह हम सब पूरे समर्पण एवं दक्षता के साथ कार्य करेंगे तथा नए कीर्तिमान स्थापित करेंगे।

जल महोत्सव पर्यटक स्थल हनुमंतिया में किसी प्रकार की कोई भी तैयारी देखने को नहीं मिल रही

जल महोत्सव के टेंडर हुए एक महीना बीता, इस बार भी टलेगा आयोजन ?

बीड,संदीप सोनी। देश के सबसे बड़े मीठे पानी के समुद्र हनुमंतिया में इस बार भी जल महोत्सव नहीं लग पाएगा। टेंट सिटी और रमणीय स्थल पर घास ऊग रही है। एक माह पहले ही महोत्सव के लिए टेंडर हो चुके हैं। इसके बावजूद पर्यटन विभाग मुंह नहीं खोल रहा है। यहां के अधिकारी और कर्मचारी चुप हैं। सात जल महोत्सव हो चुके हैं। मुख्यमंत्री बदलने के बाद हनुमंतिया जल महोत्सव खटाई में पड़ गया। इतना सुंदर स्थल और अरबों रुपए पहले ही खर्च होने के बावजूद 2023-24 से जल महोत्सव का खर्चा सरकार ने रोक दिया था। पर्यटन विभाग यहां से विदेशी डॉलर बटोर सकता था,लेकिन इच्छा-शक्ति के अभाव में सरकार की तरफ टक-टकी लगाए बैठा है।

खूबसूरत लुक में है हनुमंतिया

इस समय इंदिरा सागर के जलाशय से पर्यटन स्थल हनुमंतिया काफी खूबसूरती दिखाई दे रहा है। टूरिज्म विभाग के अधिकारी बताते हैं कि,जल्द ही तारीख तय की जा रही है। तारीख आने से पहले ही ठेकेदार के द्वारा तैयारी शुरू की जाती है। अभी ऐसा कुछ भी नहीं दिखाई दे रहा है।

टल भी सकता है महोत्सव

सूत्रों के मुताबिक इस बार भी जल महोत्सव टल सकता है। दिल्ली की कंपनी को जल महोत्सव में टेंट सिटी और अन्य एक्टिविटी लगाने का टेंडर दिया गया है, लेकिन अभी तक किसी प्रकार की तैयारी न होने से यह उम्मीद लगाई जा रही है कि इस बार भी जल महोत्सव में सरकार रुचि नहीं दिखाई दे रही है।

जंगली घास का साम्राज्य

टेंट सिटी की जगह पर जंगली घास लगी हुई है। इस जंगल को अभी तक साफ - सफाई भी नहीं की गई है। पर्यटन स्थल हनुमंतिया के अधिकारी कर्मचारी भी कुछ बोल नहीं पा रहे हैं। जल महोत्सव लगेगा या नहीं सिर्फ टेंडर खोलकर जल महोत्सव लगाना भूल गए हों,अगर ऐसा रहा तो फिर कभी भी जल महोत्सव नहीं लगेगा।

इसलिए बदल गए हनुमंतिया के हालात

मिनी गोवा के नाम से पहचान बनाने वाले पर्यटन स्थल हनुमंतिया ठंड के दिनों में जल महोत्सव मनाया जाता रहा है, लेकिन मुख्यमंत्री बदले हैं, तब से जल महोत्सव की स्थिति बदल गई। 2023 -24 में भी जल महोत्सव आयोजित नहीं हुआ। इस बार जल महोत्सव को लेकर टेंडर भी डाले गए थे। जो अक्टूबर में खोल दिए गए। उम्मीद की जा रही थी, कि नवंबर में जल महोत्सव शुरू हो जाएगा। टेंडर खुलने के बाद भी टूरिज्म विभाग द्वारा तारीख तय नहीं कर पाया है। पर्यटक स्थल हनुमंतिया में किसी प्रकार की कोई भी तैयारी देखने को नहीं मिल रही है। नवंबर और दिसंबर 2 महीने ही पर्यटकों को घूमने का आनंद आता है।